गोरा भांग गोटदे

रे गोरा रिम झूम पड़े फुहार यो मस्त महीना सावन का,
रे जल्दी रगड़े क्यों न भांग खिलेगी मूड बनावन का

ठंडी ठंडी पवन चले बिन भांग धटा न जावे
काची काची भांग देख मेरी भूख बड ती जावे
रे गोरा मिल जा तने परनाम देख ले मने सतावन का
रे जल्दी रगड़े क्यों न भांग खिलेगी मूड बनावन का

मैं और किसी का लाडा न बस भांग का घना सवादु
घोटन ने अरे और घोटे रे पर तेरे हाथ में जादू
हे गोरा कौन सा करु उपाए बता दे तने मनावन का
रे जल्दी रगड़े क्यों न भांग खिलेगी मूड बनावन का

Source: https://www.bharattemples.com/gora-bhaang-gotde/

Bharat Temples

https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw